Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon

Bachelor of Arts +3 year UG Programme (CBCS and LOCF Pattern)
Subject- HISTORY

Session: 2022-23	Program: B.A.
Semester: I	Subject:HISTORY
Course type: Core Course / GE DSC	Course Code: UBADCT 104
Credit: 05+01	Lecture 75+15
MM: 100	Minimum Passing Marks: 35

Title	प्राचीन भारत का इतिहास(प्रारंभ से 1206) **History of Ancient India (beginning 1206)**
Course Objectives	वर्तमान पाठ्यक्रम छात्रों को ऐतिहासिक ज्ञान प्रदान करने में उपयोगी होगा। इसका निर्माण इस प्रकार किया गया है कि छात्र न केवल भारत की प्राचीन सभ्यताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा, बल्कि ऐतिहासिक विकास को भी आसानी से समझा जा सकेगा। छात्र प्राचीन भारत के राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास से परिचिंत होंगे। प्राचीन भारत के धर्म की कला, संस्कृति और दर्शन को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। इस पत्र के माध्यम से एक छात्र ऐतिहासिक तथ्यों से परिचित होगा, भारत के प्राचीन गौरव का ज्ञान प्राप्त करेगा और इतिहास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करेगा। यह दृष्टिकोण छात्रों को भारत की सामाजिक संस्कृति से अवगत कराकर राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के लिए प्रेरित करेगा। यह पाठ्यक्रम ऐतिहासिक घटनाओं का तर्कसंगत विश्लेषण करने और छात्रों की शोध योग्यता विकसित करने के लिए छात्रों की तार्किक क्षमता विकसित करेगा। प्रस्तुत पाठ्यक्रम छात्रों में ज्ञान सृजन की क्षमता को प्रेरित करेगा। यह खंड उत्तर भारत में राजनीतिक स्थिति का अध्ययन करता है। छात्र इस बात का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं कि हर्ष की मृत्यु के बाद उत्तर भारत में राजनीतिक विकेंद्रीकरण कैसे हुआ और राजपूतों की उत्पत्ति में कौन सी ऐतिहासिक परिस्थितियाँ मददगार साबित हुई।
Learning Outcomes	विद्यार्थियों को अपने प्राचीन संस्कृति की जानकारी प्राप्त होगी। वैदिक कालीन संस्कृति और उस का समाज पर प्रभाव इसकी जानकारी प्राप्त होगा। भारत में जैन धर्म और बौद्ध धर्म की उत्पत्ति की जानकारी प्राप्त होगी। सिकंदरा और उसका आक्रमण से भारत किस प्रकार प्रभावित हुई इसकी जानकारी प्राप्त होगी।

22.7.22 22/07/2022

22/07/22

Scanned with CamScanner

Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon

Bachelor of Arts +3 year UG Programme (CBCS and LOCF Pattern)
Subject- HISTORY

Session: 2022-23	Program: B.A.
Semester: II	Subject: HISTORY
Course type: Core Course/GE	Course Code: UBADCT 204
Credit: 05+01	Lecture 75+15
MM: 100	Minimum Passing Marks: 35

Title	**मध्यकालीन भारत का इतिहास 1206 से 1707** **History of Medieval India 1206 to 1707**
Course Objectives	यह पेपर तुर्क तैमूर, अफगानों के आगमन और बाद में भारत के कुछ हिस्सों में मुगल शासन की स्थापना के साथ भारत की समझ विकसित करने के लिए बनाया गया है। भारत में तुर्कों और मुगलों के वर्चस्व के अधीन नहीं आने वाले क्षेत्रों और भारत को शामिल करने पर जोर दिया गया है। इस पत्र में विभिन्न भारतीय राजाओं के क्षेत्रीय विस्तार और भारतीय समाज और संस्कृति पर मध्यकालीनता के प्रभाव को शामिल किया गया है।
Learning Outcomes	छात्र बारहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के बीच की अवधि के दौरान भारत के इतिहास में प्रमुख राजनीतिक विकास की पहचान करने में सक्षम होंगे। संस्कृति के क्षेत्र में परिवर्तन और निरंतरता की रूपरेखा, विशेष रूप से कला, वास्तुकला, भक्ति आंदोलन और सूफी आंदोलन के संबंध में। इस अवधि के दौरान व्यापार और शहरी परिसरों के विकास को चित्रित करें।

Units	Lectures	Content
I	20	1-सल्तनत कालीन इतिहास के स्रोत 2-कुतुबुद्दीन ऐबक 3-इल्तुतमिश 4-बलबन 5-अलाउद्दीन खिलजी 6-मोहम्मद बिन तुगलक 1-Sources of Sultanate History 2-Qutubuddin Aibak 3-Iltutmish 4-

22.7.22 22/07/2022

28/07/22

Scanned with CamScanner

Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon

Bachelor of Arts +3 year UG Programme (CBCS and LOCF Pattern)
Subject- HISTORY

Session: 2022-23	Program: B.A.
Semester: II	Subject: HISTORY
Course type: Core Course / GE	Course Code: UBADCT 204
Credit: 05+01	Lecture 75+15
MM: 100	Minimum Passing Marks: 35

Title	**मध्यकालीन भारत का इतिहास 1206 से 1707** **History of Medieval India 1206 to 1707**
Course Objectives	यह पेपर तुर्क तैमूर, अफगानों के आगमन और बाद में भारत के कुछ हिस्सों में मुगल शासन की स्थापना के साथ भारत की समझ विकसित करने के लिए बनाया गया है। भारत में तुर्कों और मुगलों के वर्चस्व के अधीन नहीं आने वाले क्षेत्रों और भारत को शामिल करने पर जोर दिया गया है। इस पत्र में विभिन्न भारतीय राजाओं के क्षेत्रीय विस्तार और भारतीय समाज और संस्कृति पर मध्यकालीनता के प्रभाव को शामिल किया गया है।
Learning Outcomes	छात्र बारहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के बीच की अवधि के दौरान भारत के इतिहास में प्रमुख राजनीतिक विकास की पहचान करने में सक्षम होंगे। संस्कृति के क्षेत्र में परिवर्तन और निरंतरता की रूपरेखा, विशेष रूप से कला, वास्तुकला, भक्ति आंदोलन और सूफी आंदोलन के संबंध में। इस अवधि के दौरान व्यापार और शहरी परिसरों के विकास को चित्रित करें।

Units	Lectures	Content
I	20	1-सल्तनत कालीन इतिहास के स्रोत 2-कुतुबुद्दीन ऐबक 3-इल्तुतमिश 4-बलबन 1-Sources of Sultanate History 2-Qutubuddin Aibak 3-Iltutmish 4-Balban
II	15	1-अलाउद्दीन खिलजी 2-मोहम्मद बिन तुगलक3-मुगलकालीन इतिहास के

Scanned with CamScanner

Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon

Bachelor of Arts +3 year UG Programme (CBCS and LOCF Pattern)

Subject- HISTORY

Session: 2022-23	Program: B.A.
Semester: III	Subject: HISTORY
Course type: Core Course	Course Code: UBHST301
Credit: 05+01	Lecture 75+15
MM: 100	Minimum Passing Marks: 35

Title	आधुनिक भारत का इतिहास 1761 से 1850 History of Modern India 1761 to 1850
Course Objectives	पाठ्यक्रम परिणाम - यह पेपर मुगलों, अन्य प्रांतीय महत्वपूर्ण राजवंशों से ईस्ट इंडिया कंपनी को सत्ता हस्तांतरण के भारतीय इतिहास के युग को कवर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह विभिन्न स्तरों पर भारतीय प्रतिरोध के अध्ययन को शामिल करता है और अंत में स्वतंत्रता के प्रथम युद्ध में समाप्त होता है। यह भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण युग है, क्योंकि यह नई क्षेत्रीय पहचान के साथ-साथ मराठों और सिख राज्य जैसी स्वदेशी शक्तियों के उदय का गवाह है। इस पत्र में औपनिवेशिक भूमि राजस्व प्रणाली और भारतीय पुनर्जागरण को भी शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम को आधुनिक भारतीय राजनीतिक इतिहास और छात्रों को आधुनिक संवैधानिक विकास की प्रमुख अवधारणाओं का अवलोकन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पेपर भारत पर उनके प्रभाव के साथ ब्रिटिश शैक्षिक और कृषि नीति के इतिहास को शामिल करता है। इस पत्र में भारत में सांप्रदायिकता के विकास और स्वतंत्रता के बाद रियासतों के विलय को भी शामिल किया गया है।
Learning Outcomes	• भारत में यूरोपियन के आगमन और उसका प्रभाव की जानकारी प्राप्त होती है। • भारत के गवर्नर जनरल के द्वारा विभिन्न सामाजिक सुधारों की जानकारी प्राप्त होती है। • भारत में कृषक और मजदूर अंदर होने की जानकारी प्राप्त होगी। • भारत में सामाजिक सुधार आंदोलनों की भी जानकारी इस प्रश्न पत्र से होगी। • भारत की राजस्व व्यवस्था और समय-समय पर उसके गुण और दोषों की भी

Scanned with CamScanner

Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon

Bachelor of Arts +3 year UG Programme (CBCS and LOCF Pattern)
Subject- HISTORY

Session: 2022-23	Program: B.A.
Semester: IV	Subject: HISTORY
Course type: Core Course	Course Code:
Credit: 05+01	Lecture 75+15 = 60
MM: 100	Minimum Passing Marks: 35

Title	**विश्व का इतिहास 1453 से 1848** **History of the World 1453 to 1848**
Course Objectives	यह पेपर आधुनिक यूरोप की समझ को एक लोकतांत्रिक समाज से आधुनिक राष्ट्र-राज्य प्रणाली तक विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पुनर्जागरण और यूरोपीय समाज पर इसके परिणाम। अर्थव्यवस्था, राजनीति और संस्कृति और सबसे ऊपर रोमन कैथोलिक चर्च के टूटने से राष्ट्र-राज्य का विकास हुआ और नई विचारधाराओं का उदय हुआ, जो फ्रांसीसी क्रांति के रूप में परिणत हुई, जिसे मध्यकालीन ताबूतों में अंतिम कील और आधुनिक का पहला पालना माना जाता है। यूरोपीय संदर्भ में टाइम्स। इस पत्र में यूरोप में नेपोलियन युग को भी शामिल किया गया है। यह पेपर छात्र को यूरोप में हुए तेजी से बदलाव के बारे में पेश करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। राष्ट्रीयताओं की स्थिति और राजशाही के पारंपरिक सिद्धांत को धता बताते हुए नए आदेश के उदय पर विशेष जोर दिया जाता है। यह प्रथम विश्व युद्ध की ओर ले जाने वाली नई विचारधाराओं का युग है, जिसमें इतिहास के एक छात्र को परिचय देना चाहिए। इस पत्र में दो विश्व युद्धों के बीच आधुनिक विश्व के इतिहास को शामिल किया गया है। यह एक ऐसा युग है जब विश्व इतिहास के यूरो-केंद्रित इतिहास से बदलाव आ रहा है। इन अशांत समयों में लोकतांत्रिक और उदारवादी आदर्श के विकल्प के रूप में अधिनायकवाद का उदय देखा गया, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध कम साम्राज्यवादी संघर्ष था और दो विचारधाराओं का टकराव अधिक था। यह अवधि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के गठन का भी गवाह है और सबसे ऊपर इसी अवधि में उपनिवेशवादी और साम्राज्यवादी संरचना ढह गई।
Learning Outcome	यूरोप में सामंतवाद के पतन के साथ क्या किया परिवर्तन होते हैं इसकी जानकारी प्राप्त होगी होगी। यूरोप में धर्म सुधार आंदोलन और प्रति धर्म सुधार आंदोलन का पूरे यूरोप के राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ा इसकी जानकारी प्राप्त। अमेरिका किस तरह से इंग्लैंड से मुक्ति पाता है इसकी जानकारी छात्र छात्राओं को प्राप्त होगी। फ्रांस की क्रांति और उसका विश्व पर क्या प्रभाव होगा इसकी भी जानकारी प्राप्त होगी। नेपोलियन और नेपोलियन युग का विश्व पर प्रभाव।

Scanned with CamScanner